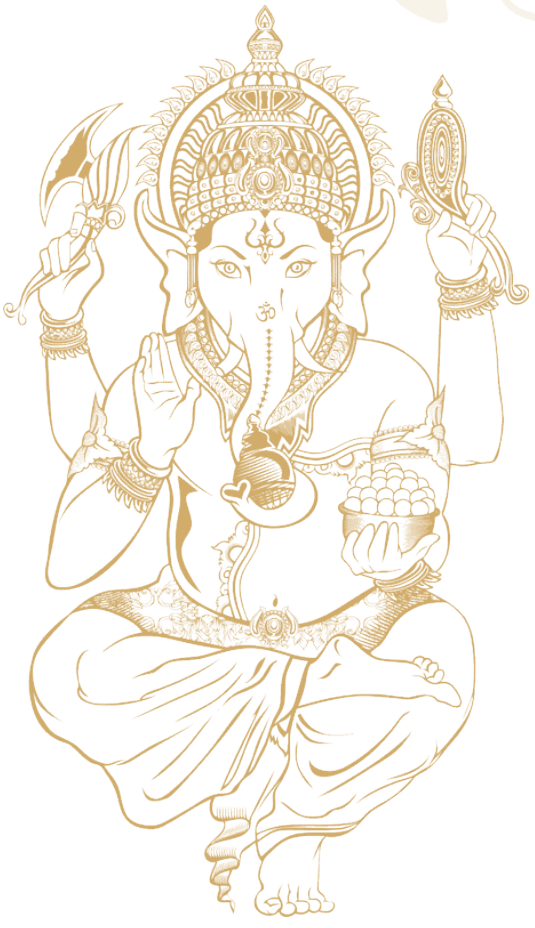

Mr. Adarsh jaiswal

26 Feb 2000

07:15 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119367002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2000**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:15:00 घंटे**
इष्ट	32:06:41 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:18:32 घंटे
वेलान्तर	-00:13:04 घंटे
साम्पातिक काल	05:41:27 घंटे
सूर्योदय	06:24:19 घंटे
सूर्यास्त	17:55:02 घंटे
दिनमान	11:30:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:24:35 कुम्भ
लग्न के अंश	01:59:37 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	बव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:59:37	322:45:25	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	13:24:35	01:00:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	06:56:25	12:02:17	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल			मीन	17:09:46	00:45:14	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	21:17:21	00:45:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	08:10:30	00:11:04	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	16:29:07	01:14:07	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	18:16:40	00:04:39	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:17:47	00:00:31	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:17:47	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:06:20	00:03:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:23:54	00:02:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:57:17	00:00:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मिथु	01:53:05	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:19

लग्न-चलित

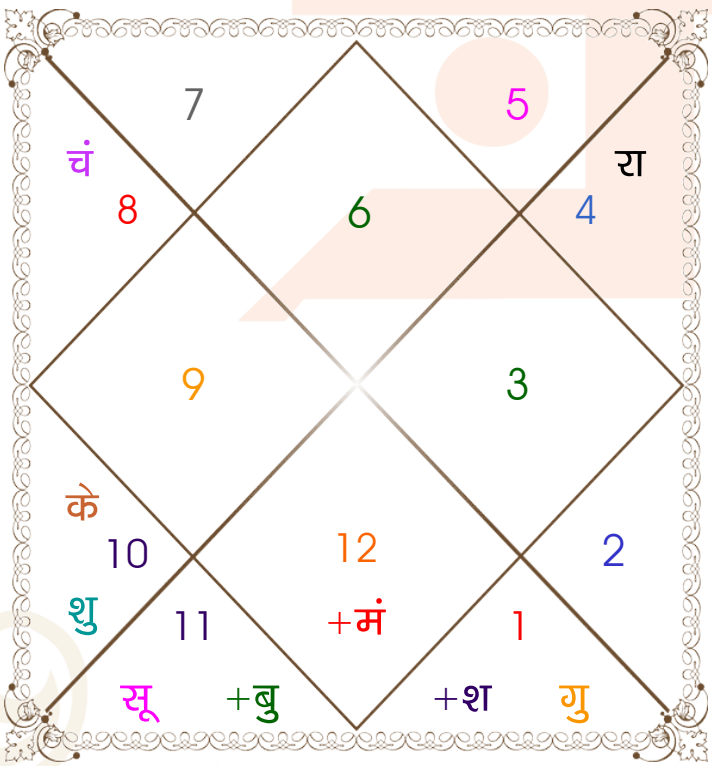

चन्द्र कुंडली

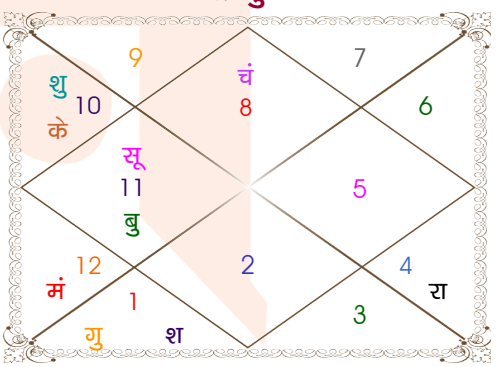

नवमांश कुंडली

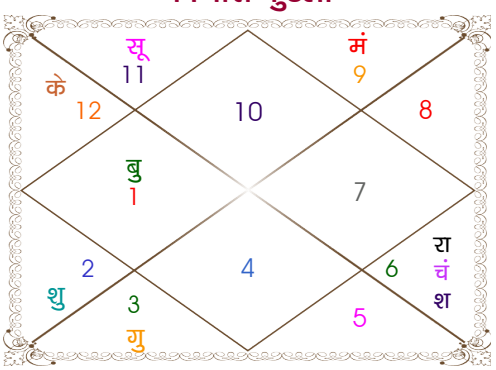

Adarsh jyotish Kendra
jatashankar Shiv Mandir Gorakhpur
9415666065

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 10 मास 9 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/02/2000		06/01/2014		06/01/2031		06/01/2038		06/01/2058	
06/01/2014		06/01/2031		06/01/2038		06/01/2058		06/01/2064	
	26/02/2000	बुध	03/06/2016	केतु	04/06/2031	शुक्र	07/05/2041	सूर्य	25/04/2058
बुध	18/09/2000	केतु	01/06/2017	शुक्र	03/08/2032	सूर्य	07/05/2042	चंद्र	25/10/2058
केतु	28/10/2001	शुक्र	31/03/2020	सूर्य	09/12/2032	चंद्र	06/01/2044	मंगल	02/03/2059
शुक्र	27/12/2004	सूर्य	05/02/2021	चंद्र	10/07/2033	मंगल	07/03/2045	राहु	25/01/2060
सूर्य	09/12/2005	चंद्र	07/07/2022	मंगल	06/12/2033	राहु	07/03/2048	गुरु	12/11/2060
चंद्र	11/07/2007	मंगल	05/07/2023	राहु	25/12/2034	गुरु	06/11/2050	शनि	25/10/2061
मंगल	18/08/2008	राहु	21/01/2026	गुरु	01/12/2035	शनि	06/01/2054	बुध	31/08/2062
राहु	25/06/2011	गुरु	28/04/2028	शनि	09/01/2037	बुध	06/11/2056	केतु	06/01/2063
गुरु	06/01/2014	शनि	06/01/2031	बुध	06/01/2038	केतु	06/01/2058	शुक्र	06/01/2064

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/01/2064		06/01/2074		05/01/2081		06/01/2099		07/01/2115	
06/01/2074		05/01/2081		06/01/2099		07/01/2115		00/00/0000	
चंद्र	06/11/2064	मंगल	04/06/2074	राहु	19/09/2083	गुरु	24/02/2101	शनि	10/01/2118
मंगल	07/06/2065	राहु	22/06/2075	गुरु	11/02/2086	शनि	07/09/2103	बुध	27/02/2120
राहु	07/12/2066	गुरु	28/05/2076	शनि	18/12/2088	बुध	13/12/2105		00/00/0000
गुरु	07/04/2068	शनि	07/07/2077	बुध	08/07/2091	केतु	19/11/2106		00/00/0000
शनि	06/11/2069	बुध	04/07/2078	केतु	25/07/2092	शुक्र	20/07/2109		00/00/0000
बुध	07/04/2071	केतु	30/11/2078	शुक्र	26/07/2095	सूर्य	08/05/2110		00/00/0000
केतु	06/11/2071	शुक्र	31/01/2080	सूर्य	19/06/2096	चंद्र	07/09/2111		00/00/0000
शुक्र	07/07/2073	सूर्य	06/06/2080	चंद्र	18/12/2097	मंगल	13/08/2112		00/00/0000
सूर्य	06/01/2074	चंद्र	05/01/2081	मंगल	06/01/2099	राहु	07/01/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।